सुविधा | राज्य की संपर्कता और समृद्धि में मील का पत्थर साबित होगा यह कॉरिडोर, निर्माण पर 11500 करोड़ होगा खर्च

बगहा से आरा के बीच बनेगा नारायणी-गंगा कॉरिडोर

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। राज्य के उत्तर से दक्षिण के बीच सड़क संपर्क सुविधा को और बेहतर बनाने की आवश्यकता को देखते हुए एक नए ग्रीनफील्ड हाईस्पीड कॉरिडोर के तौर पर नारायणी-गंगा कॉरिडोर बनाने की तैयारी है। प्रस्तावित कॉरिडोर बगहा (एनएच-727ए) से भोजपुर जिले के पातर तक बनेगा। उप मुख्यमंत्री सह पथ निर्माण मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने सोमवार को बताया कि हम नारायणी-गंगा कॉरीडोर का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजने जा रहे हैं। इस कॉरिडोर में गंडक नदी पर एक नए पुल का प्रस्ताव भी शामिल है। पातर (आरा) में यह कॉरिडोर पटना-आरा-सासाराम हाईस्पीड कॉरिडोर (एनएच-119ए) से जुड़ जाएगा। इस तरह बगहा से आरा होते हुए सासाराम और वाराणसी-कोलकाता होते हुए उत्तर प्रदेश और आगे का भी सफर आसान हो जाएगा। उप मुख्यमंत्री सह पथ निर्माण मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि इस कॉरिडोर से राज्य के उत्तर-पश्चिम कोने की सीधी संपर्कता दक्षिण-पश्चिम कोने से हो जाएगी। इससे भोजपुर, सारण, सीवान, गोपालगंज और पश्चिमी चंपारण को त्वरित संपर्कता हासिल होगी। साथ ही इसके पार्श्व में सड़कों का नया संजाल विकसित किया जा सकेगा।

15450 करोड़ परियोजना पर खर्च होगा

- ग्रीनफील्ड कॉरिडोर का प्रस्ताव भेजा जा रहा है केन्द्र सरकार को : विजय

एक नजर में परियोजना

225 किलोमीटर लंबी होगी यह सड़क

3950 करोड़ खर्च होगा जमीन अधिग्रहण में

लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अभी आरा और छपरा के बीच अवस्थित गंगा पुल पर अतिव्यस्त यातायात की स्थिति देखी जाती है। बड़ी संख्या में भारी वाहन शामिल रहते हैं। लिहाजा गंगा नदी पर रिविलगंज में एक और पुल के निर्माण पर भी विचार किया जा रहा है। प्रस्तावित नारायणी-गंगा कॉरिडोर राज्य में सुदूर उत्तर से दक्षिण तक की यात्रा को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सुगम और सुरक्षित सड़क संपर्क के विजन अनुरूप होगा। साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लक्ष्य के अनुरूप त्वरित संपर्कता उपलब्ध कराने की दिशा में भी यह कॉरिडोर निर्णायक भी साबित होगा। इसके बनने से पिछड़े इलाकों का तेजी से विकास होगा। साथ ही हजारों लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।